स्पीच थैरेपी/ (बातचीत सिखाना)
(Speech Therapy)

1. भाषा विकास से पहले

- एकाग्रता एवं समझ
- सर्वप्रथम बच्चे की **एकाग्रता और समझ** को बढ़ाये
- जब तक बच्चा **भाषा को सुनकर नहीं समझता** तो वह भाषा का उच्चारण और उसका मतलब नहीं समझ सकता
- सबसे पहले **अपने बच्चे को देखकर समझे कि उसमे क्या क्या कमी है जैसे बच्चा सुनता नहीं, खेलता नहीं, आदेश नहीं मानता** आदि

देखो देखो
बोलना सिखना कितना आसान
आजकल भागदौड़ की जिंदगी मे जँहा सब के पास समय की कमी है, वहाँ वो माता पिता जिनके बच्चे बोल नही पाते या कम बोलते है. (सुनने की परेशानी या किसी और परेशानी की वजह से) उनके माता पिता इस बात से परेशान रहते हैं. कि हम अपने बच्चे को बोलना किस समय सिखाये या बच्चे के लिये समय कब निकालि. तो उनके लिये हमारे पास सिर्फ यही जवाब हैं:- कि आप रोजमर्रा के कार्य के साथ भी अपने बच्चे को बोलना सीखा सकते हैं. उसके लिये आपको जगह या समय निर्धारित करने की कोई आवश्यकता नहीं।

2. एकाग्रता और समझ को बढ़ाने के लिए

- आप सर्वप्रथम **आँख से आँख मिलाकर बात करे**
- बच्चे को हम फलो के नाम, शरीर के अंगो, सब्जियों, जानवरो, पक्षियों विभिन अकारो एवं खाने वाली चीज़ो की **तस्वीर दिखाकर या वास्तविक में दिखाकर इसकी पहचान एवं उच्चारण करवायें**

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
LEFT HAND
RIGHT HAND

3. सरल आदेश की समझ बढ़ाना

- जैसे - **आओ, बैठो , नाम पुकारना** आदि
- जैसे - जैसे बच्चा सरल आदेश का पालन करने लगे, उसके शब्दों की आदेश की समझ बढ़ाएं जैसे – **खडे हो जाओ, आ जाओ, बैठ जाओ, हेलो करो** आदि
- इसी तरह उसकी समझ को बढ़ाना है
- **कलर करना**, जैसे – **अलग अलग आकार, चित्र, फलो, जानवरो** आदि
- जब भी कोई आदेश दे या बात करे तो **उसके नाम का इस्तेमाल** करे

4. बच्चे को बोलना कैसे सिखाये

- अब हमारा बच्चा भाषा को समझने लगा है उसका अर्थ उसे पता है
- बच्चे को बोलने के लिए सबसे पहले विभिन तरह की आवाज निकालना सिखाएं **जानवरो की आवाज (भौ-भौ, म्याऊ-म्याऊ)** आदि
- जब बच्चा अ, आ,ई, उ या जानवरो की आवाज निकालने लगे तब उसे इसे जोड़कर बोलना सिखाये जैसे - **आओ, आई आये, भौ –भौ** आदि
- आसान सरल शब्दो का उच्चारण कराये जैसे- **पापा, बाबा, मामा, देदो** आदि

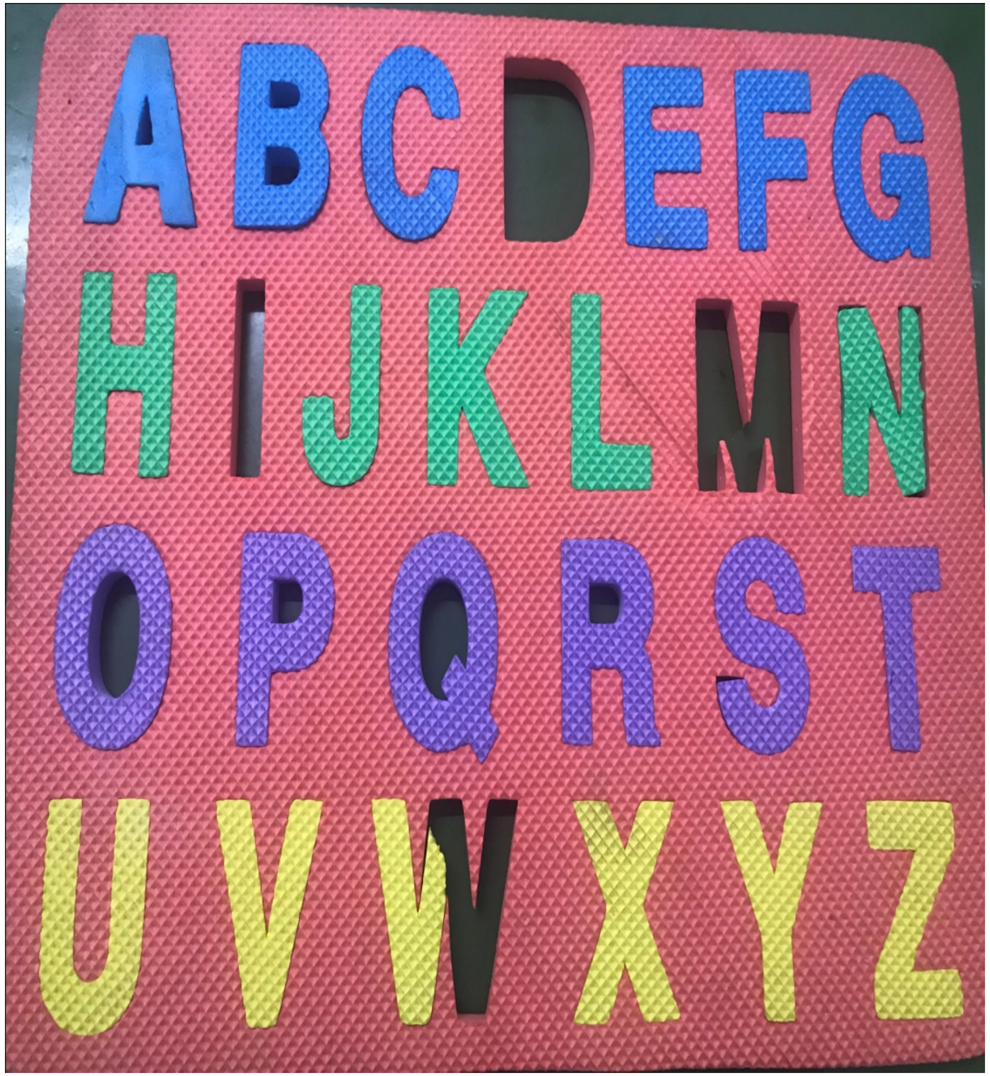
ABCDEFG
HIJKLMN
OPQRST
UVWXYZ

Wolf

- इसके बाद दो शब्दो वाले वाक्यों का उच्चारण कराये जैसे –
  पानी दो, मम्मी आओ,बैठ जाओ आदि
- इसी तरह तीन शब्दो और उसके बाद पूर्ण वाक्यों का उच्चारण कराये जैसे- **मम्मी पानी दे दो, कल हम घूमने गए थे**
- बच्चे को जब भी बोलना सिखाये तो उससे संब्धित पिक्चर या वास्तविक चीज़ दिखाकर उच्चारण या बोलना सिखाये , **बच्चा किसी भी चीज़ को देखकर या खुद गतिविधि करके आसानी से सीखता है**

5.आटिज्म वाले बच्चो के साथ

- सबसे पहले जिनके बच्चे **फोन ओर टीवी** देखते है, उसे तुरंत **बहुत कम कर दें**
- **खेल - खेल में नये शब्दो** का प्रयोग करे
- खिलोने के साथ **सही तरीके से खेलना** सिखाये
- **छोटे छोटे वाक्यों में बात** करे
- **आँख से आँख मिलाकर बात** करने की कोशिश करे
- **साधारण भाषा** का उपयोग करे

- पहले **समझना और फिर बोलना** सिखाये
- बच्चे को **तनाव मुक्त स्थानों जैसे पार्क** आदि में लेकर जाये
- बच्चे को **अपनी जरूरत के समय बोलने** का मौका दे
- यदि बच्चा **एक ही व्यवहार बार- बार करता** हे, तो उसे रोकने के लिए उसे **दूसरे गतिविधि में लगाए**, जो उसे **व्यस्त रखे** ताकि वो व्यवहार दोहरा न सके
- बच्चे के **हर प्रयत्न को प्रोत्साहित** करे
- बच्चे के साथ **खुश रहना सीखें, आप खुश रहेंगे तो वह भी खुश रहेगा/ रहेगी**